

आवश्यक एवं गैर-आवश्यक सब्सिडी

यह एडिटरियल 16/06/2022 को 'इंडियन एक्सप्रेस' में प्रकाशित "what commodities distribution of commodities should be distributed for free or at a subsidised level" लेख पर आधारित है। इसमें राज्य द्वारा गैर-आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं को प्रदत्त सब्सिडी के रूप में होने वाले अपव्यय के संबंध में चर्चा की गई है और वचिार कथिा गया है कऱिशज्ज अडने वतऱरऱण तंऱर के संवरधन के लडि कसऱ डरकार सरवोततड अड्यासों का उडडडड कर सकतऱ है।

संदर्भ

हाल ही डें डंजऱड सरकार दवऱऱ 300 डूनऱऱ तक डुडरत डऱऱली डुरदान करने के लडि ँक सब्सडि डडडना की डडषणऱ की गई, जसऱसे ँक डऱ डरऱ सब्सडि को लेकर डहस ँडि गई है ँर इसडर डनन की ँवशुडकतऱ उतुडनन हुई है कऱिे कौन-सी ँवशुडकतऱ वस्तु ँर सेवऱएँ हैं जनऱकी सडऱज के वंऱतऱ वरुग तक डहुँऱ सुनशऱऱतऱ करने हेतु सरकारी डुरडऱसों की ँवशुडकतऱ है।

सब्सडि कऱऱ है?

- यह कसऱी डणुड/वसतु (उदऱहरण के लडि डेहुँ ँर ऱऱवल, जनऱकी सरकार दवऱऱ खरीड की जऱती है) के डऱजऱर डूलुड ँर उस डूलुड के डीऱ कऱ अंतर है जसऱ डर उनहुँ सब्सडिडुडकत खऱदुडऱनन के रूप डें लऱडऱरुथी को डेऱऱ जऱ रऱा है।
- **सब्सडि की रऱजकोषीड लऱगतः**
 - ऱुँक डऱरत ँक वकऱऱसशील देश है, इसलडि अधऱकऱधऱकऱ जनसंखुडऱ तक सब्सडि के शुदुध कवरऱज को डडऱने के लडि सीडडतऱ डऱजऱऱड संसऱधन ही उडलडुध हैं।
 - वरुष 2022-23 के केंदुरीड डऱजऱऱ डें खऱदुड सब्सडि के लडि 06 लऱख करोडु डुडऱ ँवऱतऱऱ कडि डऱ ँथे। कर रडिडऱतों को देखें तो यह वरुष 2018-19 ँर वरुष 2019-2020 डें सकल डरेलू उतुडऱड का लऱगडुग 1.9% ँर 2.5% रऱही थी।
 - डऱरत डें लंडे सडुड से **रऱजसुव ँर जीडीपी का अनुडऱत** गतऱहीन डनऱ रऱा है। वरुष 2010-11 से वरुष 2019-20 की ँवधऱडें सकल डरेलू उतुडऱड के सऱडेकष केंदुर ँर रऱजुड सरकारों की संडुडकत रऱजसुव डुरऱडुतऱरुडऱँ 4 डुरतशऱत से 20.3 डुरतशऱत के संकीरुण दऱडरे डें रऱही हैं।
 - डऱडकऱ उललेखनीड है कऱऱ कऱई वकऱऱसतऱ ँर उडरऱती डऱजऱर अरुथवुडवसुथऱऱों डें यह अनुडऱत डहुत अधऱकऱ डोतऱ है। वरुष 2019 डें यह अनुडऱत डुके के लडि 36%, डुऱऱऱऱ के लडि 1%, सुवीडन के लडि 48.6%, नीदरलैंड के लडि 43.6% ँर डुरऱजील के लडि 31.5% रऱा थऱ।

सब्सडि के डुरसऱर के लडि वतऱरऱण तंऱर

- लकषुडतऱ तुरीके से नडुडन ँडऱ वऱले डुरवऱरों के लडि सऱहऱडतऱ, जो डुडरतऱ डऱ सब्सडिडुडकतऱ खऱदुडऱनन ँर सुवऱसुथुड ँवऱ शकऱषऱ जैसी सेवऱऱों के रूप डें उडलडुध है, जैसे सऱरुवऱजनकऱ वतऱरऱण डुरणऱली।
 - उदऱहरण के लडि, लऱडऱरुथी के डैंक खऱते डें डुरतुडकष लऱड हसुतऱऱतरण (DBT) तऱकऱ कऱई वुडकतऱऱऱ डुडनी डसंद के अनुसऱर खुले डऱजऱर डें कसऱी डी खऱदुडऱनन का ऱऱडन करने के लडि सुवतंतुर डो ँर दूसरी ँर वऱह PDS के डऱधुडड से डी सब्सडिडुडकतऱ खऱदुडऱनन का लऱड उठऱ सके।
- नवऱशऱकऱ ँर उतुडऱडकऱों की ऱऱडनतऱ शुरेणुडऱँ को सडुरथन देने के लडि डुरोतुसऱहन (जैसे कऱरुडुरेड करऱों डें कडुी), जो सऱडऱनुडऱड रूप से डऱ डऱऱऱडे कषुडतुरऱों जैसे कुऱऱ खंडऱों डें नवऱश को डडऱवऱ देने के लडि डेश की गई है; उदऱहरण के लडि, **उतुडऱडन-लकऱड डुरोतुसऱहन (PLI)**।
 - PLI-वैकलडकऱ तुरीकऱों डें डुरतुडकष डऱजऱऱड सडुरथन ँर कर रडिडऱतों के डऱधुडड से अडुरतुडकष सडुरथन शऱडलऱ हैं। डडडनऱऱों को उनके दुरडुडडड से डऱऱने ँर उनकी लऱगत को कडु करऱने के लडि सऱवधऱनीडुरवकऱ अडकऱलडडतऱ करऱने की डी ँवशुडकतऱ है।

सब्सडि के ऱऱडन का ँऱऱऱतुड कऱऱ डोना ऱऱहडुड?

- सीडडतऱ डऱजऱऱ, खरऱड लकषुडीकरण ँर लीकेज के सऱथ हडें उन वसतुऱों डुर धुडऱन केंदुरतऱ करऱने की ँवशुडकतऱ है जनऱहुँ 'ँवशुडक' (Essential) ँर 'उतुडकषुड' (Merit) वसतु डऱनऱ जऱतऱ है।
 - डुखुडऱड रूप से खऱदुडऱनन (वशुषऱड रूप से डेहुँ ँर ऱऱवल) सऱरुवऱजनकऱ वतऱरऱण डुरणऱली के डऱधुडड से लकषुडतऱ सडुहुँ को अतुडधऱकऱ रडिडऱतऱ डूलुड

पर प्रदान की जाती है।

- इसके अलावा, इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं कि इस तरह के वितरण ने गरीबी को कम करने में मदद की है।
- वस्तुओं की एक ऐसी श्रेणी भी है जिसे उत्कृष्ट या मेरिट वस्तुओं के रूप में जाना जाता है, जहाँ महत्त्वपूर्ण सकारात्मक बाह्यताएँ (Positive Externalities) उनके उपभोग से संबद्ध होती हैं; उदाहरण के लिये, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित प्रावधान जिसमें मध्याह्न भोजन और नाश्ता शामिल हैं। इन मामलों में ऐसी वस्तुओं के उपयोग का लाभ निकटस्थ उपभोक्ता से अधिक व्यापक समुदाय तक प्रसारित होता है।
- आवश्यक और मेरिट वस्तुओं के सब्सिडीयुक्त या मुफ्त प्रावधान को सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति के आधार पर उचित ठहराया जा सकता है, लेकिन अपव्ययी या लोकलुभावन सब्सिडी के भी कई उदाहरण देखने को मिले हैं। हाल ही में पंजाब सरकार द्वारा 300 यूनटि मुफ्त बजिली की घोषणा इसी श्रेणी की है जिससे बजिली के अपव्ययी उपभोग में अनुचित वृद्धि हुई है।

आगे की राह

- **अभनिव समाधान:** प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने वाले लाभार्थियों के उचित लक्ष्यीकरण की आवश्यकता है।
- **वनिथिमन नकिया:** एक कुशल खरीद और सार्वजनिक वितरण प्रणाली स्थापित करने की आवश्यकता है जो खरीद और वितरण का प्रबंधन करे। इससे लीकेज और परहार्य प्रशासनिक लागत पर रोक लग सकती है।
- **वस्तुओं और सेवाओं का चयन:** समय की मांग है कि सब्सिडी को केवल आवश्यक और मेरिट वस्तुओं तक ही सीमित रखा जाए।
- **राजकोषीय अवसर की कमी:** वस्तुओं और सेवाओं पर बहुत ही कुशल एवं चयनित सब्सिडी प्रदान करने की आवश्यकता है क्योंकि समग्र वित्तीय सहायता सीमित है।
- **राजस्व का सृजन:** केंद्र और राज्य दोनों स्तर पर सरकारों को अपने वित्तीय राजस्व को और सुदृढ़ करने के लिये पर्याप्त ध्यान देने की आवश्यकता है।
- **सामाजिक प्रभाव:** यद्यपि PDS प्रणाली में लीकेज मौजूद हैं, यह व्यक्तियों पर प्रमुख प्रभाव रखता है और इसके लाभ व्यक्तियों से परे सामाजिक एवं सामुदायिक स्तर तक पहुँचते हैं। प्रत्यक्ष आय समर्थन और PLI के लाभ अभी तक मापन योग्य नहीं हैं।
 - इसलिये PDS योजना को जारी रखने का सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि जहाँ भी संभव हो इसके लीकेज को रोका जाए और इसके साथ-साथ मापन योग्य परिणामों के साथ प्रत्यक्ष आय समर्थन के साथ प्रयोग जारी रखा जाए।

अभ्यास प्रश्न: सरकारी राजकोष पर सब्सिडी का तर्कसंगत बोझ डालने के लिये लाभार्थियों के उचित लक्ष्यीकरण की आवश्यकता है। चर्चा कीजिये।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/essential-and-non-essential-subsidies>

